Percentage of Exports to China

1262. SHRI S. AUSTIN: Will the Miniser of COMMERCE be pleased to state the percentage of the exports trade to China as compared to our total exports trade?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES, CONSUMER AFFAIRS AND PUBLIC DISTRIBUTION AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI KAMALUDDIN AHMED): During April—August, 1993 (latest period for which data is readily available) exports to China constituted 1.7% of India's total exports.

Border Trade Between India and Myanmar

1263. SHRI G. G. SWELL: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the volume of daily trade between India and Myanmar flowing through Moreh in Manipur bodering Myanmar is of the order of Rs. One crore:

(b) the imports to India and their breakup in terms of quantities and values;

(c) the exports to Myanmar and their breakup in quantities and values; and

(d) the nature of commercial competition and actual market needs in the area?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES, CONSUMER AFFAIRS AND PUBLIC DISTRIBUTION AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI KAMALUDDIN AHMED): (a) to (c) Even though traditionally there has been exchange of essential and other commodities by the local tribal residents along the border areas of India and Myanmar including that of Moreh in Manipur, the trade has been informal and no documentation relating to the statistics of commodities nor their quantities and values are maintained.

(d) No specific study of the nature of commercial competition or the market needs in the area has been undertaken by the Government.

निर्यात में गिरावट

1264. **श्री राजूभाई ए० परमार**: क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि निर्यात के क्षेत्र में सरकार द्वारा सभी सुविधाएं दिये जाने के बावजूद वर्ष 1990-91 की तुलना में वर्ष 1991-92 के दौरान निर्यात में 15 प्रतिशत की कमी आई है;

(ख) यदि हां, तो उसके मुख्य कारण क्या हैं;

(ग) क्या यह सच है कि वर्ष 1991-92 से पहले के पांच वर्षों के दौरान निर्यात में 16.8 प्रतिशत वृद्धि हुई है और यह कि कुल निर्यात 970 मिलियन डालर से बढ़कर 1810 मिलियन डालर हो गया था और वर्ष 1991-92 के दौरान निर्यात घटकर 1780 मिलियन डालर रह गया;

(घ) यदि हां, तो इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है; और

(ङ) निर्यात को बढ़ाने हेतु सरकार क्या क्या उपाय करने का विचार रखती है?

वाणिज्य मंत्री (श्री प्रणव मुखर्जी): (क) और (ख) वर्ष 1991-92 के दौरान भारत के निर्यात में वर्ष 1990-91 में हुए निर्यात की अपेक्षा 1.5% की गिरावट रही। ऐसा मुख्यतया खाड़ी भुगतान क्षेत्र के पूर्ववर्ती देशों के साथ होने वाले व्यापार में तीव्र गिरावट, प्रमुख विकसित देशों में मन्दी, मुद्रास्फीति की उच्च घरेलू-दर, आदि के कारण हुआ है।

(ग) वर्ष 1986-87 से लेकर वर्ष 1990-91 तक निर्यात में वार्षिक औसत वृद्धि डालर मूल्य में 15.4% रही। वर्ष 1986-87 के दौरान निर्यात मूल्य 9745 मिलियन अमरीकी

डालर था जो बढ़कर 1990-91 में 18143 मिलियन अमरीकी डालर हो गया और 1991-92 में घटकर 17865 मिलियन अमरीकी डालर रह गया।

(घ) और (ङ) सरकार ने जुलाई, 1991 से भारत की व्यापार नीति उदार बना दी जिससे कि वह घरेलू और अन्तर्राष्ट्रीय गतिविधियों के परिणाम स्वरूप उत्पन्न अवसरों एवं चुनौतियों का सामना कर सके। नई एक्सिम नीति 1992-97 और अब तक किए गए सुधारों के उद्देश्य ये हैं :- (1) व्यापार के लिए मुक्त वातावरण तैयार करना; (2) निर्यात प्रोत्साहन ढांचा मजबूत करना, (3) क्रियर्त्तवधियों के सरलीकरण और सुव्यवस्थीकरण के जरिए क्रियाविधि की बाधाएं समाप्त करना, (4) निर्यात उत्पादन बढ़ाना, कार्य कुशलता में सुधार करना और प्रतियोगिता में तेजी लाना, (5) अन्तर्निविष्टियो को उपलब्धियों को सुगम बनाना, (6) क्वालिटी एंव प्रौद्योगिकीय उन्नयन की ओर ध्यान देना, और (7) निर्यात संवर्धन के लिए नई-नई योजनाएं आरंभ करना। निर्यातकों सामने आ रही समस्याओं पर कार्रवाही को के सुकर बनाने हेतु हाल ही में एक निर्यातक शिकायत समाधान प्रकोष्ठ बनाया गया है। निर्यात को राष्ट्रीय प्राथमिकता का दर्जा दिया जा रहा है और निर्यात से संबंधित सभी क्रियाकलापों पर तत्काल कार्रवाही सुनिश्चित करने के लिए अन्तःमंत्रालयी बैठकें आयोजित की जा रही हैं। प्रतिस्पर्धा बढ़ने के लिए क्वालिटी सुधारने और विशेष रूप से निर्यात के लिए ही उत्पादन को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया जा रहा है। निर्यात संवर्धन करते रहना एक सतत और चलती रहने वाली प्रक्रिया है और व्यापारी तथा उद्योग वर्गों के परामर्श से नीतियां एंव क्रियाविधियां बनाई जाती हैं।

Low Production of Coffee Crops

1265. SHRIMATI KAMALA SINHA: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the country's coffee production for 1993-94 which had been projected at about 2.20 lakh tons by the Coffee Board could be substantially affected by the recurrence of the berry-lover in Karnataka, which produces most of the country's coffee;

(b) if so, what steps Government propose to take or have taken to save the Arabia and Robusta Coffee crops this season; and

(c) the steps Government propose to take to prevent future infestations of the berry-lover ?

THE MINISTER OF COMMERCE (SHRI PRANAB MUKHERJEE): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

(c) The following measures have been taken by the Coffee Board in combating the Berry-borer pest :—

(1) Recommendation to the coffee growers to spray Endosulphan on the affected plants.

(2) Supply of Endosulphan at 50% subsidy to the small farmers (having 10 ha. and below);

(3) Provision of spraying facility to the small growers;

(4) Release of literature on the ways and means of containing the pest;

(5) Conducting workshops, extensive discussions with the growers, group gatherings, method demonstrations etc.;

(6) Directing curing works to fumigate the coffee received from the berry borer infested estates;

(7) Advising planters to fumigate coffee at estate level;

(8) Advising planters to hull their coffee and burn the husk so that the pest does not spread; and

(9) A project for Biological Control of Coffee Berry Borer is also under implementation.